BACKGROUNDERS
Press Information Bureau
Government of India

सेंट्रल विस्टा परियोजना
बेहतर प्रशासन, निर्बाध शासन, सशक्त भारत

5 अगस्त, 2025

> *यदि पुराने संसद भवन ने स्वतंत्रता के बाद के भारत को दिशा दी, तो नया भवन आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का साक्षी बनेगा।"*
>
> *- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी*

मुख्य बातें

- सेंट्रल विस्टा मास्टर प्लान प्रशासनिक दक्षता पर केंद्रित है और सभी कार्यों के मूल में पर्यावरणीय स्थिरता को बनाए रखता है।
- कर्तव्य पथ का पुनर्विकास और नए संसद भवन तथा उपराष्ट्रपति एन्क्लेव का निर्माण पूरा हो गया है।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 6 अगस्त, 2025 को कर्तव्य भवन का उद्‌घाटन करेंगे।

सेंट्रल विस्टा को समझना

भारत सरकार इतिहास की छाया में, भविष्य के सपनों के साथ नई दिल्ली के हृदय में एक साहसिक नया अध्याय रच रही है। सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना - ईंटों और इमारतों से कहीं बढ़कर, भारत की आत्मा का प्रतीक है। यह प्रशासनिक ढाँचों को एकीकृत करने और आपस में घनिष्ठ रूप से जुड़े, आधुनिक और उद्देश्यपूर्ण कार्यालयों के माध्यम से प्रशासनिक उत्पादकता में सुधार लाने की एक परियोजना है। सेंट्रल विस्टा कॉम्प्लेक्स भारत के प्रशासन का केंद्र होने के साथ-साथ एक प्रसिद्ध पर्यटक आकर्षण भी है जहाँ प्रमुख राष्ट्रीय त्यौहार और समारोह आयोजित किए जाते हैं। नई संसद, आधुनिक सचिवालय भवनों और हरित सार्वजनिक स्थलों के साथ, यह परियोजना दक्षता और स्थिरता के साथ नवाचार की आकांक्षा रखने वाले एक मज़बूत लोकतंत्र को दर्शाती है।

भारत की स्वतंत्रता के बाद, 1956 और 1968 के बीच उद्योग भवन, निर्माण भवन, शास्त्री भवन, रेल भवन और कृषि भवन सहित केंद्रीय सचिवालय भवनों की एक श्रृंखला का निर्माण किया गया। इन संरचनाओं का विकास केंद्र सरकार के मंत्रालयों के विस्तारित कार्यों को समायोजित करने के लिए कार्यालय स्थान की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के लिए किया गया था।

सेंट्रल विस्टा एवेन्यू, प्रतिष्ठित कर्तव्य पथ और इंडिया गेट के आसपास के हरे-भरे लॉन तक फैला हुआ है। राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ करना एक सार्थक बदलाव का प्रतीक है - सत्ता के प्रतीक से एक ऐसे मार्ग में परिवर्तित होना जो राष्ट्र निर्माण में जनता की भूमिका का उत्सव मनाता है। यह साझा दायित्व और लोकतांत्रिक गौरव को दर्शाता है।

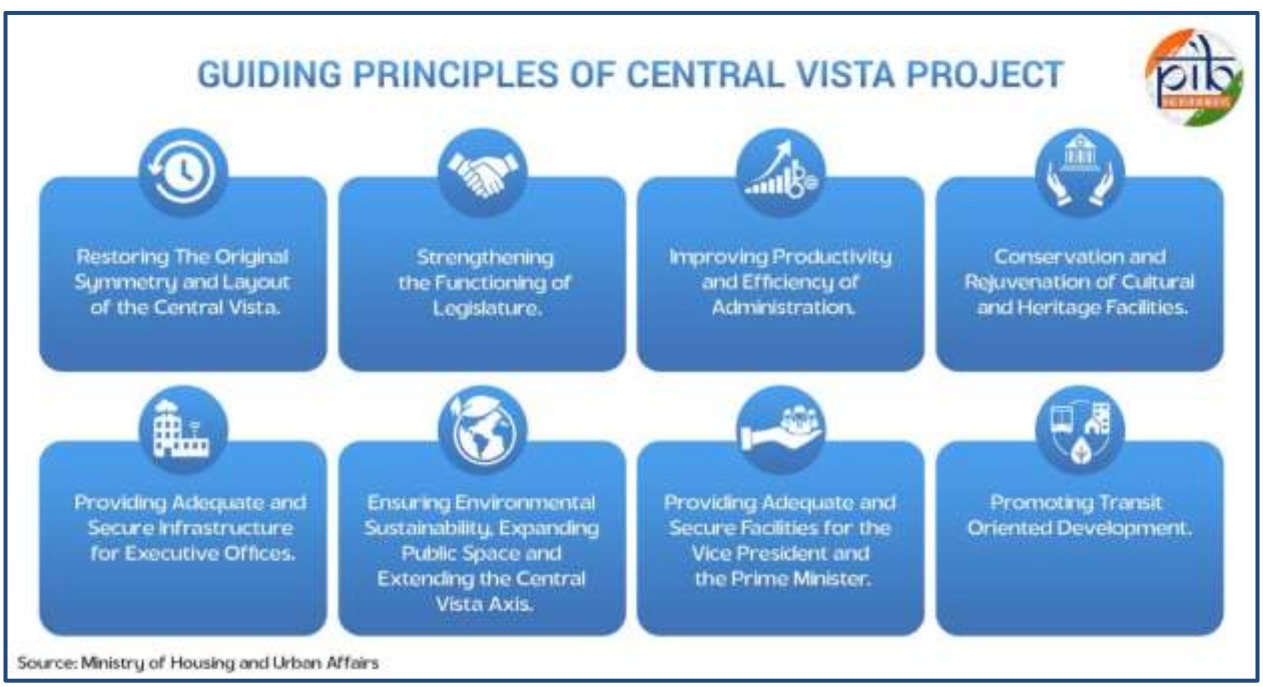

पुनर्विकास की आवश्यकता

सेंट्रल विस्टा डेवलपमेंट मास्टर प्लान, शासन के लिए उद्देश्य-संचालित, अत्याधुनिक कार्यालय स्थलों का निर्माण करके प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाने का एक परिवर्तनकारी प्रारूप है। इसका उद्देश्य भारत की संसद, कार्यपालिका और उपराष्ट्रपति एन्क्लेव तथा सभी मंत्रालयों के लिए एक एकीकृत केंद्रीय सचिवालय की गतिशील आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु आधुनिक, अनुकूलनीय और पर्यावरण-अनुकूल बुनियादी ढाँचा तैयार करना है। यह योजना कर्तव्य पथ को एक जन-केंद्रित नागरिक स्थल के रूप में पुनर्जीवित भी करती है।

यह पहल शासन को सुव्यवस्थित करने के अलावा, पर्यावरणीय स्थिरता –सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को प्रोत्साहित करना, पैदल यात्रियों की पहुँच को प्राथमिकता देना और पुनर्विकसित क्षेत्रों में हरित क्षेत्र का विस्तार करने पर भी बल देती है। इन प्रयासों का उद्देश्य देश के लिए भविष्य के लिए तैयार प्रशासनिक ढांचे को आकार देते हुए कार्बन उत्सर्जन को कम करना है।

नवीनीकरण किए गए विस्टा से भारत को क्या लाभ हुआ

प्रशासन में लाभ -

- केंद्र सरकार के सभी 51 मंत्रालयों को 10 साझा केंद्रीय सचिवालय भवनों में एक साथ लाना संसाधनों की आवाजाही को सुचारू बनाएगा, जिसके परिणामस्वरूप अधिक **कुशल और समन्वित प्रशासन** होगा।
- अनुकूल और मॉड्यूलर फ्लोर डिजाइनों के साथ संयुक्त नजदीकी समन्वय विभागीय लेआउट सरकार को अधिक दक्षता और **बढ़ी हुई उत्पादकता के साथ काम करने के लिए सशक्त** बनाएगा।
- कार्यालय के विस्तार से मौजूदा क्षमता और बढ़ती मांग के बीच के अंतर को पाटा जा सकेगा और उत्पादकता को बढ़ावा देने वाले **अत्याधुनिक कार्य वातावरण की शुरुआत** की जा सकेगी। ये सुविधाएं बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी में **वैश्विक मानदंडों को पूरा** करेंगी।
- पुनर्विकास परियोजना **हरित बुनियादी ढांचे और स्वच्छ परिवहन** के माध्यम से स्थिरता को आगे बढ़ाएगी, सरकारी कार्यों में दक्षता और तालमेल बढ़ाएगी।

सामाजिक लाभ -

- ❖ राष्ट्रीय संग्रहालय, आईजीएनसीए, सुधार किए गए कर्तव्य पथ, इंडिया गेट प्लाजा और लॉन सहित सेंट्रल विस्टा में **बेहतर सार्वजनिक स्थान**।
- ❖ उत्तर और दक्षिण ब्लॉकों के भीतर लगभग 80,000 वर्ग मीटर सरकारी स्थान को सार्वजनिक क्षेत्रों में पुनर्निर्मित किया जाएगा क्योंकि ये ऐतिहासिक इमारतें एक **राष्ट्रीय संग्रहालय परिसर** में बदल जाएंगी।
- ❖ पुनर्निर्मित एवेन्यू में सामाजिक समारोहों के लिए निर्दिष्ट क्षेत्र होंगे, जो पर्यटकों को आराम से गतिविधियों का आनंद लेने के लिए स्थलों की पेशकश करेंगे।

पर्यावरणीय स्थिरता -

- ❖ सभी परियोजनाओं के लिए **विस्तृत पर्यावरण प्रभाव आकलन** किया गया।
- ❖ सेंट्रल विस्टा परियोजना के निर्माण चरण के दौरान इसके पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए सख्त उपाय किए गए।
- ❖ ये परियोजनाएं सामूहिक रूप से हरित क्षेत्र को बढ़ाएंगी क्योंकि कुल **40,573 पेड़ लगाए जा रहे हैं** और किसी भी परियोजना में कोई मौजूदा पेड़ नहीं हटाया गया है।
- ❖ ध्वस्त भवनों से निकलने वाले कचरे का उपचार और पुनर्चक्रण एक समर्पित निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट सुविधा में किया जाएगा जिसका उपयोग निर्माण में किया जाएगा।

प्राप्त की गई उपलब्धियाँ

कर्तव्य पथ से लेकर संसद भवन और उपराष्ट्रपति एन्क्लेव तक, सेंट्रल विस्टा भारत के शासन संस्थानों की योजना और डिजाइन को नया रूप दे रहा है तथा उन्हें समकालीन वास्तुशिल्प मानदंडों के अनुरूप बना रहा है।

New Parliament Building

Foundation stone for new Parliament building was laid on 10 December 2020 and officially inaugurated on 28 May 2023 by Prime Minister Narendra Modi. It features spacious legislative chambers, ample seating, central lounges, and an open-air courtyard, designed to support modern legislative functions.

Kartavya Path Redevelopment

Inaugurated by Prime Minister Narendra Modi on 08 September 2022, the revamped stretch features landscaped lawns, green spaces, refurbished canals, amenity blocks, better signage, pedestrian underpasses, enhanced parking, and upgraded lighting to improve public experience.

Vice President's Enclave

The Vice President's Enclave includes secretariat building, residence, guest house, sprots facility, staff quarters and ancillary buildings. Hon'ble VP shifted on to this complex April 03, 2024.

Source: Ministry of Housing and Urban Affairs

चल रही परियोजनाएं

- **कर्तव्य भवन**

- कर्तव्य भवन का उद्घाटन 6 अगस्त, 2025 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया जाएगा। यह प्रशासन को सुव्यवस्थित करने और कुशल शासन का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन की गई कई नियोजित सामान्य केंद्रीय सचिवालय इमारतों में से पहली है।
- यह लगभग **1.5 लाख वर्ग मीटर** का एक आधुनिक कार्यालय परिसर होगा, जो दो बेसमेंट और सात मंजिलों में फैला होगा, जिसमें **गृह, विदेश, ग्रामीण विकास, एमएसएमई, डीओपीटी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार सहित प्रमुख मंत्रालयों** के कार्यालय होंगे।
- इससे विभिन्न बिजली बचत और पुनर्चक्रण सुविधाओं के साथ स्थिरता में मदद मिलेगी, जिसके परिणामस्वरूप 30 प्रतिशत ऊर्जा की बचत होगी और वार्षिक 5 लाख 34 हजार यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन भी होगा।

- सामान्य केन्द्रीय सचिवालय (सीसीएस)-1,2 और 10, तथा कार्यकारी एन्क्लेव का निर्माण कार्य प्रगति पर है:

  - **सीसीएस 1,2:** इन भवनों का निर्माण प्लॉट संख्या 137 (पूर्व आईजीएनसीए) पर किया जा रहा है। सीसीएस 1 और सीसीएस 2 में फिनिशिंग और सेवाओं का प्रावधान प्रगति पर है।

  - **सीसीएस 10:** यह भवन प्लॉट संख्या 138 (पूर्ववर्ती रक्षा भवन) पर बनाया जा रहा है।

  - **सीसीएस 6** एवं **7:** सीसीएस **6** एवं **7** का निर्माण पुराने वीपी आवास और विज्ञान भवन एनेक्सी प्लॉट पर किया जा रहा है।.

सेंट्रल विस्टा एवेन्यू पुनर्विकास परियोजनाः

सेंट्रल विस्टा एवेन्यू जो प्रतिष्ठित कर्तव्य पथ और इंडिया गेट के आसपास के हरे-भरे लॉन में फैला हुआ है**,** उसमें समय के साथ कई बदलाव देखे गए हैं। हालांकि**,** इसने अपनी मुख्य पहचान को संरक्षित रखा है और राष्ट्रीय और सार्वजनिक आयोजनों की मेजबानी भी जारी है**,** यह एक

बहुमूल्य नागरिक स्थान के रूप में स्थित है और पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। नतीजतन, इसका पुनर्विकास सेंट्रल विस्टा मास्टर प्लान का एक प्रमुख केंद्र बन गया।

कर्तव्य पथ के किनारे पक्के रास्ते से लेकर लॉन में पथ और पुनर्विकसित नहरों तक, कार्य एक वर्ष से भी कम समय में पूरा हो गया। सार्वजनिक पहुंच और नागरिक सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 85.3 हेक्टेयर क्षेत्र का पुनर्विकास किया गया है। ग्रीन कवर में **4,087** पेड़ हैं, जो पहले **3,890** पेड़ थे। **16. 5** किलोमीटर लंबे पैदल मार्ग अब नए सिरे से तैयार की गई नहरों और लॉन के साथ पैदल चलने वालों की आवाजाही को सुगम बनाते हैं।

BEFORE

AFTER

स्रोतः आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

भारत में निर्मित, भारत के लिए निर्मित

पत्थर और लकड़ी से लेकर कालीन और शिल्प तक, सेंट्रल विस्टा भारत के शासन स्थानों की पुनः कल्पना करने के लिए घरेलू सामग्री और कौशल का उपयोग करता है। आइए देखते हैं कि कैसे परंपरा और आधुनिक डिजाइन एक साथ आते हैं।

विकास

सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास तेजी से भारत के प्रशासनिक मूल को नया रूप दे रहा है, जो बड़े पैमाने पर रोजगार, विकसित बुनियादी ढांचे और प्रगति की स्थिर गति से संचालित है।

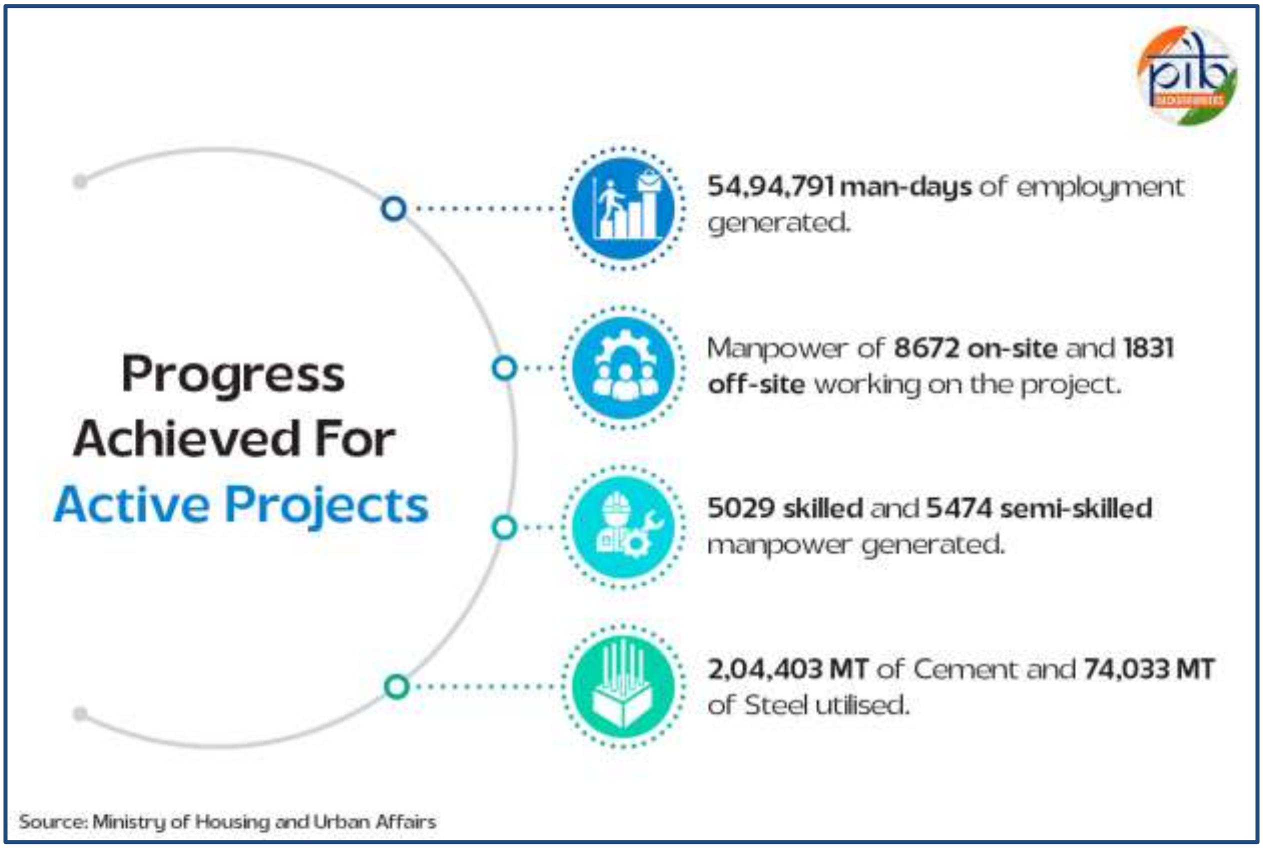

निष्कर्ष

सेंट्रल विस्टा अब एक बदलते भारत के नए चेहरे के रूप में सामने है जहां विरासत तेजी से शासन, हरे-भरे सार्वजनिक स्थानों और वास्तव में नागरिक-केंद्रित राजधानी प्रदान करने के लिए नवाचारों को प्राप्त करती है। यह सुचारू समन्वय के लिए सभी मंत्रालयों के साथ सुव्यवस्थित निर्णय लेने के हमारे दृष्टिकोण को दर्शाता है, यह जीवंत संग्रहालय जो हमारे इतिहास को जीवंत करते हैं, और छायादार मार्ग जो प्रत्येक नागरिक को लोकतंत्र के हृदय में आमंत्रित करते हैं। यह भारत के आत्मविश्वास, स्थिरता और साझा भविष्य का कथन है और देश की बढ़ती वैश्विक प्रमुखता का एक चमकदार उदाहरण है।

संदर्भः

सेंट्रल विस्टा (आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय)

https://centralvista.gov.in/

https://centralvista.gov.in/latest-news.php?name=delhi-s-central-vista-avenue-gets-a-new-look-in-time-for-republic-day

पत्र सूचना कार्यालय

https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2022/nov/doc20221122133001.pdf

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1927866#:~:text=The%20Prime%20Minister%2C%20Shri%20Narendra,offered%20flowers%20to%20the%20Sengol

https://www.pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1857900

https://www.pib.gov.in/PressReleseDetail.aspx?PRID=2152193

भारत की संसद:

https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/185/AU697_MMR9W5.pdf?source=pqals

****

पीके/केसी/एमकेएस/डीवी